आज समाज 15/03/2026

गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज में परिणाम आधारित शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

शिक्षण प्रक्रियाओं में नवाचार पर हुआ विचार-विमर्श

आज समाज नेटवर्क

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज, अंबाला छावनी में परिणाम आधारित शिक्षा: गुणवत्ता संवर्धन हेतु शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) में किया गया। इस संगोष्ठी में देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों, अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगोष्ठी का उद्देश्य उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य में गुणवत्ता आधारित शिक्षा और नवाचार पूर्ण शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंबाला के उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते शैक्षणिक परिदृश्य में विद्यार्थियों को केंद्र में रखकर विकसित की गई शिक्षण पद्धतियाँ अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में

सुधार के लिए इस प्रकार के राष्ट्रीय स्तर के मंच के आयोजन पर महाविद्यालय की सराहना की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों को परिणाम आधारित शिक्षण पद्धति अपनाकर विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के विधि विभाग की डीन एवं चेयरपर्सन तथा यूजीसी-एम एम टी टी सी की निदेशक प्रो. प्रीति जैन ने परिणाम आधारित शिक्षा की अवधारणा, उसके महत्व तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पर उसके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पद्धति से पाठ्यक्रम, अध्यापन और मूल्यांकन प्रणाली को अधिक उद्देश्यपूर्ण और विद्यार्थी-केंद्रित बनाया जा सकता है। संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ताओं के रूप में डॉ. कुलदीप तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के चेयरपर्सन डॉ. धर्मबीर ने पाठ्यक्रम निर्माण, नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से संबंधित महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। सिमोर्म पर्सन सत्र में डॉ. परवेश ने पाठ्यक्रम मैपिंग और परिणाम समन्वय पर अपने विचार रखे, जबकि एम.एन.एल. कॉलेज, यमुनानगर के सहायक प्रोफेसर डॉ. वकील सिंह ने तकनीक आधारित शिक्षण और डिजिटल उपकरणों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी का एक प्रमुख आकर्षण शोध-पत्र प्रस्तुति सत्र रहा, जिसमें विभिन्न संस्थानों से आए शोधार्थियों और शिक्षकों ने परिणाम आधारित शिक्षा, पाठ्यक्रम निर्माण, नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियों, मूल्यांकन प्रणाली तथा डिजिटल शिक्षण जैसे विषयों पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इस सत्र में कुल 70 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें 40 ऑनलाइन तथा 30 ऑफलाइन माध्यम से प्रस्तुत किए गए। समापन सत्र में अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के शिक्षा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजवीर सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को ज्ञानवर्धक बताते हुए कॉलेज के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे मंच शिक्षकों व शोधार्थियों के बीच ज्ञान-साझा करने और शैक्षणिक संवाद को सशक्त बनाते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के सफल आयोजन पर आयोजकों और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि आज के समय में परिणाम आधारित शिक्षा, नवाचार पूर्ण शिक्षण विधियाँ और डिजिटल शिक्षण अत्यंत आवश्यक हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन ज्ञान-विनिमय, नवाचार और गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का समापन डॉ. राकेश द्वारा प्रस्तुत संगोष्ठी की रिपोर्ट और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों तथा आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगोष्ठी को सफल बनाने में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।